कृषि विज्ञान केन्द्र कौशाम्बी

केवीके की योजनाओं के लाभ से आत्म निर्भर बने महिलाये – माननीय श्री विनोद सोनकर जी, सांसद कौशाम्बी

भारत सरकार द्वारा प्रायोजित "अनुसूचित जाति सब प्लान (एससीएसपी)" कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र कौशांबी द्वारा निवेश वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया | इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषक महिलाओं एवं कृषक समूह को स्वालंबन की ओर अग्रसर कर आत्मनिर्भर बनाना है| कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद कौशाम्बी माननीय सांसद श्री विनोद सोनकर जी रहे | कृषि विज्ञान केन्द्र कौशाम्बी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ अजय कुमार ने माननीय सांसद महोदय का स्वागत व अभिनंदन पुष्प गुच्छ भेंट करते हुए किया और कार्यक्रम के बारे में उन्हें अवगत कराते हुए कहा कि यह कार्यक्रम विशेष तौर पर अनुसूचित वर्ग के किसानों के लिए भारत सरकार द्वारा चलाया जा रहा है तथा जनपद कौशाम्बी के बारा एवं चायल विकास खण्ड का चयन इस योजना हेतु नीती आयोग भारत सरकार द्वारा किया गया है | इस योजना का उद्देश्य अनुसूचित वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर किसान भाइयों को कृषि से सम्बंधित कृषि यंत्र प्रदान कर कस्टम हायरिंग सेंटर के माध्यम से रोजगार सृजन एवं कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देते हुए कृषि उत्पादन बढ़ाना है| कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय सांसद श्री विनोद सोनकर जी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया| उन्होंने अपने उद्बोधन में महिलाओं से विशेष चर्चा करते हुए कहा कि यदि घर की महिला स्वयं को आत्मनिर्भर कर ले तो घर की आर्थिक स्थिति के साथ-साथ पारिवारिक स्थिति एवं सामजिक स्थिति को भी सुदृढ़ किया जा सकता है और इसी माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री जी के सपने को जिसमे उन्होंने भारत को आत्मनिर्भर बनाने की परिकल्पना की है, साकार किया जा सकता है| इसलिए महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर की ओर बढ़ने की आवश्यकता है| उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र के बारे में बताते हुए कहा कि केवीके ने हमेशा महिलाओं व कृषकों की जरूरत को समझा और इसके अनुरूप योजनाओ के माध्यम से लगातार किसानो को लाभ पहुचाने का कार्य कर रहे है | उन्होंने महिलाओं को छोटे कुटीर उद्योग, सिलाई कढ़ाई, मसाला व अन्य रोजमर्रा वाली चीजों को बनाकर बाजार में बेचने के लिए प्रेरित किया और स्वालंबन से आत्म निर्भरता हतु जागरूक किया| इस अवसर पर चायल ब्लॉक की दो महिला समूह (28 महिलाओ) जो पूर्व में केंद्र कि गृह वैज्ञानिका डॉ मीनाक्षी सक्सेना द्वारा प्रशिक्षित की जा चुकी है उन्हें आर्थिक स्वालंबन हेतु सिलाई मशीन का वितरण एवं पुरुष समूह के माद्यम से स्थापित कस्टम हायरिंग ग्रुप को ट्रैक्टर, रोटावेटर एवं कल्टीवेटर कृषि उपयोगी यंत्र प्रदान किया | निवेश वितरण उपरान्त समूह माइक्रो डोनेशन कार्यक्रम की भी शुभारम्भ मुख्य अतिथि के द्वारा केन्द्र परिसर में किया गया | अंत में केंद्र की महिला वैज्ञानिक महिला गृह वैज्ञानिक डॉ मीनाक्षी सक्सेना द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया इस कार्यक्रम में श्री मनोज कुमार, डॉ आशीष श्रीवास्तव, डॉ नवीन कुमार शर्मा, डॉ अमित केसरी, श्री सुनील कुमार, श्री शेषनाथ, श्री विनय धर शुक्ला सहित 76 महिला व पुरुषों ने सहभागिता की|